Read to Lead

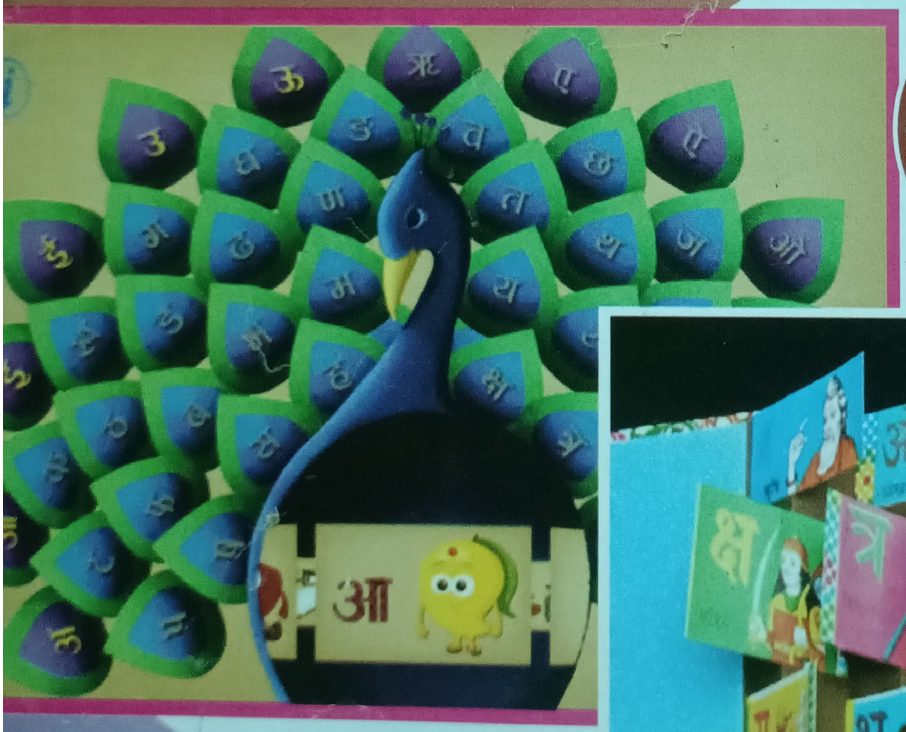

हिन्दी भाषा का शिक्षण

डी.एल.एड.
द्वितीय वर्ष

डा. देवेन्द्र श्योराण्य
प्रतिभा सिंह

THAKUR PUBLISHERS
ROHTAK

Scanned with Oken Scanner

हिन्दी भाषा का शिक्षण

(हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी द्वारा अनुमोदित
डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के नवीन पाठ्यक्रमानुसार)

डॉ. देवेन्द्र श्योराण
पी–एच.डी., एम.फिल., एम.एड.
विभागाध्यक्ष एवं प्रवक्ता,
श्रीमती सन्तरा देवी शिक्षण महाविद्यालय, समसपुर, चरखी दादरी, भिवानी

प्रतिभा सिंह
एम.फिल. (शिक्षाशास्त्र), एम.एड., एम.ए. (हिन्दी व अंग्रेजी), पी–एच.डी.(शोधार्थी)
सहायक आचार्या,
चौ. कपूरी राम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महावटी, पानीपत, हरियाणा

ऑनलाइन पुस्तकें क्रय करने हेतु सम्पर्क करें– www.tppl.org.in

ठाकुर पब्लिशर्स, रोहतक

Scanned with Oken Scanner

हिन्दी भाषा का शिक्षण

इकाई 1–प्राथमिक/उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण

- गद्य शिक्षण– अर्थ, महत्त्व, विभिन्न विधाएँ तथा विभिन्न सोपान जैसे– प्रस्तावना, उद्देश्य कथन, प्रस्तुतीकरण, आवृत्ति, मूल्यांकन एवं गृह कार्य।
- विधियाँ– कथन विधि, चित्र प्रदर्शन विधि, वाचन विधि, अधूरी कहानी पूर्ति विधि, अनुकरण विधि एवं गहन अध्ययन विधि आदि।
- पद्य शिक्षण– अर्थ, महत्त्व, विभिन्न विधाएँ तथा विभिन्न सोपान जैसे– प्रस्तावना, उद्देश्य कथन, प्रस्तुतीकरण–आदर्श एवं अनुकरण वाचन, व्याख्या, आवृत्ति, मूल्यांकन एवं गृह कार्य।
- विधियाँ– गीत एवं नाट्य विधि, शब्दार्थ कथन विधि, प्रश्नोत्तर विधि, व्याख्या व मिश्रित विधि आदि।

इकाई 2–सम्प्रेषण कौशल

- विभिन्न विधाओं के माध्यम से कक्षा–कक्ष में मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति का अवसर देना जैसे–कविता पाठ, कहानी सुनाना, साक्षात्कार देना व लेना, वार्तालाप, वाद–विवाद, स्वागत–भाषण, अध्यक्षीय भाषण, धन्यवाद ज्ञापन आदि।
- वर्णन–दृश्य, घटना, चित्र तथा वस्तु आदि को देखकर अपने शब्दों में व्यक्त करना।

इकाई 3–व्याकरण शिक्षण– अर्थ परिभाषा एवं महत्त्व

- विधियाँ– निगमन, आगमन, विश्लेषण, सहयोग, पाठ्यपुस्तक, खेल विधि आदि के माध्यम से कक्षा 6 से 8 की पाठ्यपुस्तक पर आधारित व्याकरण शिक्षण।
- वाक्य रचना– वाक्य के अंग, प्रकार, संश्लेषण, विश्लेषण, रूपान्तरण, समास व उसके भेद, पदबंध व पद परिचय, ।
- शब्द शक्ति– अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।
- अलंकार–अर्थ, प्रकार एवं महत्त्व।
- शब्दकोश–अर्थ, महत्त्व एवं प्रयोग की समझ।

इकाई 4–प्रश्न पत्र निर्माण एवं शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण

- आदर्श प्रश्न पत्र के गुण, प्रकार एवं आवश्यकता।
- सोपान जैसे– उद्देश्य की पूर्ति, विषय वस्तु की व्यापकता, अंक योजना, आवश्यक निर्देश उत्तर तालिका का निर्माण, ज्ञान/बोध के प्रश्नों का निर्माण, प्रश्न–पत्र विश्लेषण।
- दृश्य–श्रव्य शिक्षण– अधिगम सामग्री का निर्माण, प्रयोग एवं महत्त्व।
- मूल्यांकन के प्रकार और महत्त्व, मूल्यांकन के तरीके, निरीक्षण, रिकार्ड तथा प्रोफाइल बनाना।

इकाई 5–हिन्दी पाठ्यपुस्तक का विशद् अनुशीलन एवं पाठयोजना। कक्षा (6 से 8) पाठ्यपुस्तक आधारित पाठयोजना निर्माण व सूक्ष्म शिक्षण।

Scanned with Oken Scanner

विषय–सूची

इकाई 1– उच्च प्राथमिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण

1.1.	**गद्य शिक्षण**	**11**
1.1.1.	गद्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ	11
1.1.2.	हिन्दी गद्य का विकास	11
1.1.3.	गद्य–शिक्षण के उद्देश्य	13
1.1.4.	गद्य–शिक्षण का महत्त्व	13
1.1.5.	गद्य पाठ के रूप	14
1.1.6.	गद्य की विभिन्न विधाएँ	14
1.1.7.	गद्य शिक्षण के सोपान	24
1.1.8.	गद्य शिक्षण की विधियाँ	29
1.2.	**पद्य शिक्षण**	**34**
1.2.1.	पद्य का अर्थ एवं परिभाषाएँ	34
1.2.2.	पद्य के मूल तत्व	36
1.2.3.	पद्य शिक्षण की विशेषताएँ	38
1.2.4.	विभिन्न स्तरों पर पद्य शिक्षण के उद्देश्य	39
1.2.5.	पद्य शिक्षण का महत्त्व	39
1.2.6.	पद्य–सौन्दर्यानुभूति के मुख्य सिद्धान्त	40
1.2.7.	पद्य की विभिन्न विधाएँ	40
1.2.8.	प्रबन्ध काव्य	41
1.2.9.	मुक्तक काव्य	43
1.2.10.	कांव्य / कविता शिक्षण के सोपान	47
1.2.11.	पद्य शिक्षण की शिक्षण विधियाँ	50
1.2.12.	गद्य एवं पद्य शिक्षण में अन्तर	52
1.2.13.	पद्य शिक्षण में ध्यान देने योग्य बातें	53
1.3.	**सारांश**	**54**
1.4.	**अभ्यास प्रश्न**	**55**

इकाई 2– सम्प्रेषण कौशल

2.1.	**सम्प्रेषण**	**56**
2.1.1.	सम्प्रेषण का अर्थ एवं परिभाषाएँ	56
2.1.2.	सम्प्रेषण की प्रकृति एवं विशेषताएँ	57
2.1.3.	सम्प्रेषण प्रक्रिया के तत्त्व	57
2.1.4.	सम्प्रेषण की प्रक्रिया	58
2.1.5.	सम्प्रेषण में आने वाली प्रमुख बाधाएँ	61
2.1.6.	सम्प्रेषण में आने वाली बाधाओं को दूर करना	63
2.2.	**स्वतंत्र अभिव्यक्ति**	**63**
2.2.1.	मौखिक अभिव्यक्ति	63
2.2.2.	लेखन अभिव्यक्ति	75
2.3.	**सारांश**	**79**
2.4.	**अभ्यास प्रश्न**	**80**

इकाई 3– व्याकरण शिक्षण

3.1.	**व्याकरण शिक्षण**	**81**
3.1.1.	व्याकरण का अर्थ एवं परिभाषाएँ	81
3.1.2.	व्याकरण शिक्षण के उद्देश्य	82
3.1.3.	व्याकरण के प्रकार	84
3.1.4.	व्याकरण शिक्षण का महत्त्व	84
3.1.5.	व्याकरण शिक्षण की विधियाँ	86

Scanned with Oken Scanner

3.1.6.	व्याकरण शिक्षण को प्रभावी बनाने हेतु सुझाव	90
3.1.7.	व्याकरण शिक्षण में ध्यान देने योग्य बातें	91
3.2.	**वाक्य रचना**	**92**
3.2.1.	वाक्य	92
3.2.2.	वाक्य के आवश्यक तत्व	92
3.2.3.	वाक्य के अंग	93
3.2.4.	वाक्यों के प्रकार	93
3.2.5.	वाक्य–विश्लेषण या वाक्य–विग्रह	95
3.2.6.	वाक्य संश्लेषण	95
3.2.7.	वाक्य–रूपान्तरण अथवा वाक्य–परिवर्तन	97
3.3.	**समास, पदबन्ध एवं पद परिचय**	**102**
3.3.1.	समास	102
3.3.2.	पदबन्ध	104
3.3.3.	पद परिचय	108
3.4.	**शब्द–शक्ति**	**112**
3.4.1.	शब्द शक्ति का अर्थ	112
3.4.2.	शब्द शक्ति के प्रकार	112
3.4.3.	अभिधा शब्द–शक्ति	112
3.4.4.	लक्षणा शब्दशक्ति	114
3.4.5.	व्यंजना शब्द शक्ति	119
3.5.	**अलंकार**	**122**
3.5.1.	अलंकार का अर्थ	122
3.5.2.	अलंकार का महत्त्व	122
3.5.3.	अलंकार के भेद	123
3.5.4.	शब्दालंकार	123
3.5.5.	अर्थालंकर	124
3.5.6.	उभयालंकार	126
3.6.	**शब्द कोश**	**126**
3.6.1.	शब्दकोश का अर्थ एवं परिभाषाएँ	126
3.6.2.	शब्दकोश की विशेषताएँ	127
3.6.3.	शब्दकोश का महत्त्व	128
3.6.4.	शब्दकोश के प्रयोग की समझ	128
3.7.	**सारांश**	**129**
3.8.	**अभ्यास प्रश्न**	**130**

इकाई 4– प्रश्न–पत्र निर्माण एवं शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण

4.1.	**आदर्श प्रश्न–पत्र**	**131**
4.1.1.	प्रश्न–पत्र का अर्थ एवं परिभाषाएँ	131
4.1.2.	प्रश्न–पत्र के गुण	132
4.1.3.	प्रश्न–पत्र के उद्देश्य	132
4.1.4.	प्रश्न–पत्र की आवश्यकता एवं महत्त्व	133
4.1.5.	प्रश्न–पत्र के प्रकार	134
4.1.6.	आदर्श प्रश्नपत्र निर्माण के सोपान	139
4.1.7.	हिन्दी प्रश्न–पत्र निर्माण के सिद्धान्त	140
4.1.8.	प्रश्न–पत्र निर्माण हेतु सुझाव	141
4.2.	**शिक्षण अधिगम सामग्री / श्रव्य–दृश्य सामग्री**	**142**
4.2.1.	श्रव्य–दृश्य सामग्री का अर्थ एवं परिभाषाएँ	142
4.2.2.	श्रव्य–दृश्य सामग्री की विशेषताएँ	142
4.2.3.	दृश्य–श्रव्य सामग्री के उद्देश्य	143
4.2.4.	दृश्य–श्रव्य सामग्री का महत्त्व या आवश्यकता	143
4.2.5.	**शिक्षण सहायक सामग्री का निर्माण**	146

Scanned with Oken Scanner

4.2.6.	श्रव्य–दृश्य सामग्री का चुनाव एवं तैयारी	147
4.2.7.	श्रव्य–दृश्य सामग्री का प्रयोग	147
4.2.8.	श्रव्य–दृश्य सामग्री के प्रयोग में सावधानी	148
4.2.9.	शिक्षण सहायक–सामग्री का वर्गीकरण (प्रकार)	148
4.3.	**दृश्य–सामग्री**	**150**
4.3.1.	चॉक बोर्ड	150
4.3.2.	चार्ट	150
4.3.3.	प्रोजेक्टर	152
4.3.4.	चित्र	156
4.3.5.	फिल्म स्ट्रिप	156
4.3.6.	प्रदर्शन पट्ट एवं बुलेटिन बोर्ड	156
4.4.	**श्रव्य सामग्री**	**157**
4.4.1.	रेडियो	157
4.4.2.	टेप रिकॉर्डर	158
4.4.3.	ग्रामोफोन	160
4.5.	**दृश्य–श्रव्य सामग्री**	**160**
4.5.1.	टेलीविजन	161
4.5.2.	कम्प्यूटर	162
4.5.3.	एल.सी.डी. प्रोजेक्टर	162
4.5.4.	चलचित्र	163
4.6.	**मूल्यांकन के प्रकार**	**164**
4.6.1.	संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन	164
4.6.2.	संरचनात्मक मूल्यांकन	164
4.6.3.	योगात्मक मूल्यांकन	166
4.6.4.	संरचनात्मक एवं योगात्मक मूल्यांकन में अन्तर	167
4.6.5.	सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन	168
4.6.6.	मानदण्ड–सन्दर्भित एवं आदर्श–सन्दर्भित परीक्षण	170
4.7.	**मूल्यांकन के तरीके**	**173**
4.7.1.	प्रेक्षण अथवा निरीक्षण	173
4.7.2.	अभिलेख / रिकॉर्ड	176
4.7.3.	प्रोफाइल	181
4.8.	**सारांश**	**184**
4.9.	**अभ्यास प्रश्न**	**185**

इकाई 5– पाठ्य–पुस्तक, पाठ योजना एवं सूक्ष्म–शिक्षण

5.1.	**पाठ्य–पुस्तक**	**186**
5.1.1.	विषय–प्रवेश	186
5.1.2.	पाठ्य–पुस्तकों का अर्थ एवं परिभाषाएँ	186
5.1.3.	पाठ्य–पुस्तकों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि	187
5.1.4.	पाठ्य–पुस्तकों की विशेषताएँ	187
5.1.5.	पाठ्य–पुस्तकों का महत्त्व	189
5.1.6.	पाठ्य–पुस्तकों के प्रकार	191
5.1.7.	पाठ्य–पुस्तकें लिखने का सिद्धान्त	192
5.1.8.	पाठ्य–पुस्तकों का प्रयोग या चयन	193
5.1.9.	पाठ्य–पुस्तकों के चयन के सिद्धान्त	193
5.1.10.	पाठ्य–पुस्तक के गुण	195
5.1.11.	पाठ्य–पुस्तकों के दोष	195
5.1.12.	पाठ्य–पुस्तक सुधार के सुझाव	196
5.1.13.	पाठ्य–पुस्तक सुधार में शिक्षा आयोग के सुझाव	196
5.2.	**पाठ योजना**	**197**
5.2.1.	पाठ योजना का अर्थ एवं परिभाषाएँ	197

Scanned with Oken Scanner

3	5.2.2.	उत्तम पाठ योजना की विशेषताएँ	1
3	5.2.3.	पाठ योजना का महत्व एवं आवश्यकता	1
3	5.2.4.	पाठ योजना की रूपरेखा	2
3	5.2.5.	पाठ योजना बनाने से पूर्व ध्यान देने योग्य बातें	2
3	5.2.6.	पाठ योजना के उपागम	2
3	5.2.7.	गद्य पाठ योजना – झाँसी की रानी	2
3	5.2.8.	पद्य पाठ योजना – सूर के पद	2
3	5.2.9.	व्याकरण पाठ योजना – विशेषण और उनके भेद	2
	5.3.	**सूक्ष्म–शिक्षण**	2
	5.3.1.	सूक्ष्म–शिक्षण का अर्थ एवं परिभाषाएँ	2
	5.3.2.	सूक्ष्म–शिक्षण की विशेषताएँ	2
	5.3.3.	सूक्ष्म–शिक्षण के स्तर	2
	5.3.4.	सूक्ष्म–शिक्षण की प्रक्रिया एवं सोपान	2
	5.3.5.	शिक्षण कौशलों का चिह्नीकरण	2
	5.3.6.	सूक्ष्म–शिक्षण के सिद्धान्त	2
	5.3.7.	सूक्ष्म–शिक्षण के आधारभूत तत्त्व	2
	5.3.8.	पारम्परिक शिक्षण एवं सूक्ष्म–शिक्षण की तुलना	2
	5.3.9.	सूक्ष्म–शिक्षण के गुण	2
	5.3.10.	सूक्ष्म–शिक्षण के दोष	2
	5.4.	**सूक्ष्म–शिक्षण कौशलों के प्रकार**	2
	5.4.1.	प्रस्तावना कौशल	2
	5.4.2.	प्रश्नोत्तर कौशल	2
	5.4.3.	व्याख्या कौशल	2
	5.4.3.1.	मुख्य अन्तर्निहित घटक	2
	5.4.3.2.	संरचनात्मक घटक	2
	5.4.3.3.	प्रस्तुति घटक	2
	5.4.3.4.	व्याख्या कौशल के उद्देश्य	2
	5.4.3.5.	व्याख्या कौशल की शिक्षण में भूमिका	2
	5.4.4.	उद्दीपन परिवर्तन कौशल	2
	5.4.4.1.	प्रमुख कौशल घटक	2
	5.4.4.2.	उद्दीपन परिवर्तन कौशल के उद्देश्य	2
	5.4.4.3.	उद्दीपन परिवर्तन कौशल के शिक्षण में शिक्षक की भूमिका	2
	5.4.5.	पुनर्बलन कौशल	2
	5.4.5.1.	पुनर्बलन का शिक्षण में महत्व	2
	5.4.5.2.	पुनर्बलन के प्रकार	2
	5.4.5.3.	पुनर्बलन के घटक	2
	5.4.5.4.	पुनर्बलन कौशल के उद्देश्य	2
	5.4.6.	श्यामपट्ट लेखन कौशल	2
	5.4.6.1.	श्यामपट्ट लेखन कौशल के प्रमुख घटक	2
	5.4.6.2.	श्यामपट्ट लेखन कौशल के उद्देश्य	2
	5.4.6.3.	श्यामपट्ट लेखन की शिक्षण में भूमिका	2
	5.5.	**सारांश**	2
	5.6.	**अभ्यास प्रश्न**	2
	प्रश्न–पत्र		

पुस्तक के विषय में

प्रस्तुत पुस्तक **'हिन्दी भाषा का शिक्षण', हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, डी. एल.एड. (J.B.T.) द्वितीय वर्ष** के शिक्षक–प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के अनुरूप तैयार की गई है। पुस्तक के प्रत्येक इकाई में पाठ्यक्रमानुसार समस्त पक्षों को पूर्ण एवं सरल भाषा में लिखने का प्रयास किया गया है। पुस्तक की समस्त इकाइयों को विद्यार्थियों के मानसिक एवं बौद्धिक क्षमता के अनुरूप बोधगम्य बनाने का पूर्ण प्रयास किया गया है। प्रस्तुत पुस्तक हिन्दी के अध्ययन से डी. एल.एड. के प्रशिक्षु हिन्दी शिक्षण सिद्धान्तों, प्रविधियों, नवीन विधाओं एवं कौशलों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे। इस पुस्तक द्वारा छात्राध्यापक, शिक्षण के लिए अपेक्षित अधिगम हेतु सहायक सामग्री का निर्माण करने तथा विद्यार्थियों में अपेक्षित अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति करने में दक्ष होंगे।

लेखक परिचय

डॉ. देवेन्द्र श्योराण्य वर्तमान में **श्रीमती सन्तरा देवी शिक्षण महाविद्यालय, समसपुर, चरखी दादरी, हरियाणा**, में **विभागाध्यक्ष** एवं **प्रवक्ता** के पद पर कार्यरत हैं। इन्होंने **पी–एच.डी.** (वाणिज्य), **एम.फिल.**, **एम.एड.** की उपाधियाँ प्राप्त की है। इनका शिक्षा क्षेत्र में **11 वर्षों** का अनुभव है। जिन विषयों में इनकी रुचि है वे हैं हिन्दी शिक्षण, वाणिज्य पाठ्यचर्या में शिक्षणशास्त्र, आई.सी.टी. एवं क्रियात्मक अनुसन्धान। इनकी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर पत्र–पत्रिकाएँ प्रस्तुत हो चुकी है।

श्रीमती प्रतिभा सिंह वर्तमान में **चौधरी कपूरी राम कॉलेज ऑफ एजुकेशन, महावटी, पानीपत, हरियाणा** में **सहायक आचार्या** के पद पर सेवारत है। इन्होंने **एम.ए.** (हिन्दी, अंग्रेजी), **एम.एड. एम.फिल** (शिक्षाशास्त्र) की उपाधियाँ प्राप्त की है एवं ये **पी–एच.डी.** (शोधार्थी) है। जिन विषयों में इनकी रुचि है वे विषय है:– हिन्दी भाषा का शिक्षण, संज्ञान, अधिगम एवं सामाजिक–सांस्कृतिक सन्दर्भ, आदि। समय–समय पर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध पत्रिकाओं में इनके शोध–पत्र भी प्रकाशित होते रहें हैं तथा सेमिनार एवं वर्कशॉप में भी ये समय–समय पर प्रतिभाग करती रही हैं। 'शिक्षा कलश' शोध पत्रिका में यह सह–संपादक हैं।

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी डी.एल.एड. **(J.B.T.)** द्वितीय वर्ष

विषय नाम	लेखकगण
संज्ञान, अधिगम एवं सामाजिक–सांस्कृतिक सन्दर्भ	डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. सीमा सैनी, मुकेश कुमार दुआ
विद्यालयी संस्कृति, नेतृत्व एवं परिवर्तन	डॉ. दिवेन्द्र सिंह ढाण्डा, प्रमोद घमीजा, कोमल रानी
स्व, विविधता, लिंग एवं समावेशी शिक्षा की समझ	डॉ. जी. एल. शर्मा, डॉ. अंजू वालिया, राजेश
हिन्दी भाषा का शिक्षण	डा. देवेन्द्र श्योराण्य, प्रतिभा सिंह
Pedagogy of English Language	Dr. S. P. Yadav, Dr. Shalini Jain, Abdesh Kumar

मूल्य: ₹180
THAKUR PUBLISHERS
ROTHAK
www.tppl.org.in

ISBN: 978-93-88280-22-8

Printed at: Savera Printing Press, Jankipuram, Lucknow, Mob. 9235318506/07

Scanned with Oken Scanner